मूल्य - 5 रुपये

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारांशु

वर्ष 1, अंक 6-7 (संयुक्तांक), पृ.सं. 24

मासिक

अप्रेल - मई, 2012

डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के आशीर्वाद से

संपादक :- कल्पना गोयल

मुख्य संरक्षक :- श्री एन.पी. भार्गव (दिल्ली)

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002, मो. +91 9549399993, +91 9649399993, फैक्स +91 294 3059522

Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com, Website : www.tarasociety.org

तारांशु मासिक, अप्रेल - मई, 2012

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यूट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान को मेरा आशीर्वाद.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर,
आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. कैलाश 'मानव'

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ, वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर 'तारा संस्थान' के सभी सेवा - प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

कार्यक्रमों की झलकियाँ...

श्री गंगानगर शिविर में मंचासीन (बाएँ से द्वितीय)
डॉ. ओ.पी. वधवा, श्री मनोज कुमार एवम् उद्बोधन करते श्री प्रेम प्रकाश

चयनित रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन करते हुए
डॉ. ओ.पी. वधवा

तवरा (नागौर) शिविर - श्री प्रहलाद स्वामी (मध्य) का स्वागत
करते साधक श्री राजेन्द्र गर्ग

तवरा (नागौर) शिविर में डॉ. नरेन्द्र चौहान का साधक
श्री भँवर सिंह द्वारा स्वागत

दिल्ली के श्री एस.एन. बंसल, श्रीमती मधु बंसल, श्री श्याम बंसल, श्रीमती नूपुर बंसल व बंसल परिवार के अन्य सदस्यों को
तारा संस्थान का अवलोकन करवाते श्रीमती कल्पना गोयल व श्री दीपेश मित्तल

तारांशु - अंक - 6-7 (संयुक्तांक), अप्रैल - मई, 2012

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
कार्यक्रमों की झलकियाँ	2
हमारी व्याप्ति का अर्थ	4
सेवा प्रकल्प	5-15
- तृप्ति योजना	5
- आनन्द वृद्धाश्रम	6-8
- गौरी योजना	9-10
- नेत्र चिकित्सा शिविर	11-15
शिविर समाचार	16
''तारा'' केन्द्र एवम् कार्यालय	17
Camps held so far	18-19
Camp sponsorship details	20
Thanks to the Donors	21-22
Gift of Vision	23

सम्पादक - कल्पना गोयल

हमारी व्याप्ति का अर्थ....

शिशु का जब जन्म होता है, वह संसार मे आता है, तब निपट अकेला होता है। उसे अपने अकेलेपन का भी ज्ञान नहीं होता है। माँ उसके साथ होती है, उसकी अपनी होती है, पर शिशु को तब मातृत्व – वात्सल्य का भी ज्ञान नहीं होता। धीरे-धीरे शिशु बढ़ता है, उसके संसार का व्यास बढ़ता है। भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, चाचा-चाची आदि सम्बन्धों में वह अपनी व्याप्ति को विस्तार देता है। यह प्रक्रिया व्यापक होती जाती है। अब उसकी व्याप्ति उन लोगों में भी प्रारंभ हो जाती है, जिनसे उसका प्रत्यक्षतः कोई रक्त – सम्बन्ध भी नहीं होता। यह व्याप्ति न केवल कभी-कभी, अपितु प्रायः, रक्त – सम्बन्धों से भी अधिक प्रगाढ़ हो जाया करती है।

मानव स्वभाव की इस सहज प्रवृत्ति को यदि हम समझने का प्रयास करें, तो हम पाएँगे कि कोई सम्बन्ध सूचक घटक इस प्रवृत्ति को साधे रखता है। इस सम्बन्ध के मूल में तीन मनोभाव प्रमुख कारक हैं। ये हैं – श्रद्धा, प्रेम और स्नेह। सभी मानवीय संबंध इन्हीं पर आश्रित हैं।

हमारे व्यक्तित्व में विद्यमान श्रद्धा, प्रेम और स्नेह की ऊर्जा, या शक्ति, या आग्रह के कारण ही हमारी व्याप्ति अधिकाधिक लोगों तक फैलती है। इससे ही हमारा संसार विस्तार को प्राप्त करता है, हमारे घर-परिवार और जीवन में सुख-सन्तोष, शान्ति और तृप्ति का प्रवाह बहता है।

परन्तु, एक अतिमहत्त्वपूर्ण और स्मरणीय तथ्य यह भी है कि हमारे श्रद्धा-प्रेम-स्नेहजन्य सभी सम्बन्ध कहीं न कहीं स्वार्थ भावना से नियन्त्रित होते हैं। कभी – कभी अज्ञान और अतिराग से, तो कभी-कभी छल और प्रवंचनापूर्ण व्यवहार से कोई अपनी स्वार्थसाधना के लिए छद्म आचरण भी कर सकता है। इससे आपको तो कोई विशेष क्षति नहीं होती, पर जिसे आपने अपनी श्रद्धा, प्रेम और स्नेह का पात्र बनाया, वह आपकी निष्कपट सद्भावना से वंचित हो जाता है। और, इसका दुःख आपको भी होना स्वाभाविक है। ऐसे प्रसंग यदा – कदा देखने-सुनने और समझने को मिल जाते हैं।

तो, अपनी सद्भावना और सदाशयता को अखण्ड रूप से मानवीय बनाये रखने के लिए क्या किया जाय ?कोशिश की जा सकती है, किसी भी व्याप्ति या सम्बन्ध में स्वार्थपरता नहीं आने दी जाय। अपनी व्याप्ति को परमार्थ के धरातल पर बढ़ने का अवसर दिया जाय। तन-मन-धन से परमार्थ और सेवा के शिक्षापरक उपदेशों से हमारा वाङ्मय भरा पड़ा है। इन में धन तो सर्वथा स्थूल रूप होने से अवश्य ही नाशवान है। अपनी व्याप्ति के संसार को असीम बनाने के लिए धन का परमार्थ के लिए दान-उपभोग करना बहुत आसान है। जो समर्थ हैं, सक्षम हैं, परपीड़ाकातर हैं, उनके लिए अपना संसार बड़ा बनाना और भी अधिक आसान है। असंख्य दीन, असहाय पीड़ित, वृद्ध, विकलांग बन्धु यूँ ही उपेक्षित, तिरस्कृत पड़े हुए हैं। हम प्रयास करें और अपनी संवेदनशीलता को उन तक व्याप्त होने दें, तभी यह कहना निष्पाप होगा कि हम निःस्वार्थ भाव से पीड़ित मानवता के प्रति श्रद्धा-प्रेम-स्नेह से समर्पित हैं। यही अर्थ है समाज में हमारी सात्त्विक व्याप्ति का।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

सेवा प्रकल्प - तृप्ति योजना

असहाय निर्धन बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह खाद्य-सामग्री सहायता उनके घरों तक

तारा संस्थान द्वारा प्रारंभ की गई 'तृप्ति योजना' से लाभान्वित हो रहे बुजुर्ग बन्धुओं में से कुछ का परिचय इस प्रकार है –

श्रीमती कुरी बाई भोई, आयु – 68 वर्ष, पति श्री खेमजी भोई
गाँव – चावण्ड, तहसील – सराड़ा, जिला – उदयपुर (राज.)

श्रीमती कुरी बाई भोई का जीवन असह्य कष्ट वेदनाओं से भरा हुआ है। परिवार में गरीबी हो, तो अपने भी सहायता नहीं कर पाते है। इनके 2 पुत्रों का असमय निर्धन हो गया। 2 पुत्र हैं, जो अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं। निर्धन स्थिति के कारण अपनी माँ की सहायता करने में असमर्थ हैं। अत: श्रीमती कुरी बाई सर्वथा असहाय स्थिति में है। कुछ समय पूर्व दुर्घटना में इनका एक पैर टूट गया, चलना-फिरना भी बाधित हो गया। कोई श्रम या मजदूरी भी नहीं कर पा रही है। आस-पड़ोस के लोग दया वश कुछ दे दें तो ठीक, अन्यथा, अधिकतर समय भूखे पेट रहने को विवश। 'तारा संस्थान' को जब इनकी असहाय स्थिति की जानकारी मिली, तो इनका चयन 'तृप्ति योजना' में करके इन्हें प्रतिमाह खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाई जाते लगी। इस सहायता से इनके कष्टों में कमी आई है। कुरी बाई को जब यह बताया गया कि दानदाताओं के सहयोग से उन्हें यह सहायता पहुँचाई जा रही है, तो वे दान-दाताओं के प्रति भावविभोर हो गई और उनकी नम आँखों में सुख और आश्वस्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

श्रीमती गुलाबी बाई मेघवाल, आयु – 75 वर्ष पति स्व. श्री भागाजी मेघवाल,
गाँव – जिंक स्मेल्टर, तहसील – गिर्वा, जिला – उदयपुर (राज.)

श्रीमती गुलाबी बाई की पीड़ा का कथन भी शब्दातीत है। 75 वर्ष की अवस्था में शरीर से पूरी तरह जर्जर, चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ। एक बेटा है, जो कोई जिम्मेदारी नहीं निभाता। उसकी पत्नी 15 वर्षों से पीहर में रह रही है। गुलाबी बाई पर अपने पोते की परवरिश की जिम्मेदारी भी है, और आय का कोई स्त्रोत नहीं। ऐसी परिस्थितियों में उनकी दयनीय दशा का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। यूँ तो हर गाँव में सहायता – सहयोग की पात्र कई-कई गुलाबी बाई तरस रही हैं, परन्तु कुछ के हालात इतने खराब हैं, कि उन्हें 2 समय भस्पेट भोजन भी प्राय: नसीब नहीं होता। गुलाबी बाई की स्थिति का जब 'तारा संस्थान' को पता लगा, तो तत्काल प्रभाव से उन्हें खाद्य – सामग्री पहुँचाने की नियमित व्यवस्था की गई। अब गुलाबी बाई कुछ आश्वस्त है। अब उन्हें भूखे रहने की पीड़ा से राहत मिली है। 'तारा संस्थान' भी स्वयं को कृतकृत्य समझता है कि दान-दाताओं के करुणाशील सौजन्य से गुलाबी बाई को अपनी वृद्धावस्था में सुख की अनुभूति हो सकी है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा – 10 कि.ग्रा., चावल – 2 कि.ग्रा., दालें – 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल – 1 कि.ग्रा., शक्कर – 1.5 कि.ग्रा.,
मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) – 500 ग्रा., नमक – 1 कि.ग्रा., साबून – 2,
नकद राशि – रु. 300 (शाक – सब्जी के लिए) खाद्य – सहायता व्यय – रु.1500 प्रतिव्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 250 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्प

तारा संस्थान का आनन्द वृद्धाश्रम

पीड़ित मानवता के हृदय-स्पर्शी दृश्य हमें कहीं भी, यत्र-तत्र-सर्वत्र देखने को मिल जाते हैं। गरीबी, बीमारी, वृद्धावस्था, संतानहीनता, एकाकीपन, परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार, परित्याग आदि कई ऐसे कारण हैं, जिनसे व्यक्ति पीड़ा और दु:ख-दर्द का मूर्तिमान जीवन्त रूप बन जाता है। आपने विपन्नावस्था में जकड़े हुए ऐसे कई चेहरे देखे होंगे, जिन्हें देखकर आपकी संवेदनशीलता विषाद में डूबी होगी, और जिनके लिए कुछ सार्थक सहायता-सेवा करने की प्रबल भावना आपके मन में जागृत हुई होगी। 'तारा संस्थान' ने ऐसे ही संवेदनशील, करुण हृदय महानुभावों की भावनाओं को क्रियात्मक रूप देने के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' का संचालन प्रारंभ किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' में अभावग्रस्त, अशक्त, बेसहारा, एकाकी वृद्ध बन्धुओं के भोजन-वस्त्र-चिकित्सा देखभाल - आवास की सर्वथा नि:शुल्क सेवा-सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

आनन्द वृद्धाश्रम - मुख्य बिन्दु

आधारभूत संरचना, प्रदत्त सुविधाएँ, उपलब्ध व्यवस्थाएँ -

● 3 बड़े, खुले, हवादार कक्ष, 25 पलंग, सामान रखने के लिए अलमारियाँ। ● साफ-सुथरे गद्दे, चद्दर, तकिये, कम्बल, धुलाई-सफाई की व्यवस्था। ● एक बड़ा भोजन कक्ष, एक साथ भोजन-नाश्ते के लिए। ● एक बड़ा बैठक कक्ष-टी.वी., सोफे, कुर्सी सहित। ● पुस्तकालय/वाचनालय - पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि की व्यवस्था। ● चिकित्सक उपलब्ध, प्रति सप्ताह शारीरिक जाँच, स्वास्थ्य परीक्षण हेतु। ● प्रात: चाय/दूध, नाश्ता, मध्याह्न-रात्रि भोजन में एक सब्जी, दाल, चावल, चपाती, दही, सायं - चाय, बिस्किट या कोई हल्का खाद्य, मौसमी फल आदि। ● आनन्द वृद्धाश्रम भवन, प्रकाश युक्त, हवादार, खुले परिसर में होने से घूमने-फिरने, उठने-बैठने, विश्राम करने की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल।

^vkuUn o`)kJe ,d iz;kl gS & o`)tuksa dks 'kkjhfjd ,oa ekufld lq[k&lqfo/kk nsdj muds thou esa [kqf'k;ksa ds iy c<+kus dk] vkSj rdyhQksa ds vglkl dks de djus dkA

पात्रता

'आनन्द वृद्धाश्रम' उन बुजुर्ग बन्धुओं के लिए है, जो निर्धन, निराश्रय, एकाकी एवं कोई काम-श्रम करने में अशक्त हैं, या जो गरीबी के कारण परिवार द्वारा तिरस्कृत, अपमानित, परित्यक्त जीवन जी रहे हैं, और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उपर्युक्त व्यवस्थाओं और सुविधाओं सहित प्रत्येक वृद्धजन के 'आनन्द वृद्धाश्रम' में <u>नि:शुल्क आवास</u> पर तारा संस्थान 5000रु. मासिक व्यय कर रहा है।

आनन्द वृद्धाश्रम - मासिक व्यय विवरण

● भोजन-नाश्ता, चाय, दूध, फल - 3000/-, ● दवाइयाँ - 700/-,
● कपड़े, जूते, चप्पल, मौजे आदि - 500/-, ● बिजली-पानी खर्च, तेल, साबून, स्टाफ वेतन, चिकित्सक शुल्क, कपड़ा धुलाई आदि - 800/- प्रति बुजुर्ग प्रतिमाह कुल व्यय - 5000/-

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

वृद्धाश्रम से.....

मुम्बई निवासी श्री प्रदीप वामन वेर्णीकर की आयु 53 वर्ष ही है, पर हाथ – पैरों में आंशिक विकलांगता और जीवन की त्रासदियों के थपेड़ों ने इन्हें जीर्णकाय बना दिया है। इनके पिता हीरा कटाई का काम करते थे। 11वीं कक्षा तक शिक्षित श्री प्रदीप भी पिता के काम में सहयोग करते थे, और एक कुशल हीरा कटर बन गये थे। शारीरिक विकलांगता के चलते इन्होंने विवाह भी नहीं किया। धीरे-धीरे पिताजी का व्यवसाय भी मन्द पड़ गया। परिस्थितियाँ विपरीत होती गईं। किराये पर जिस घर में रहते थे, वह भी खाली करना पड़ा। निकट सम्बन्धियों ने भी कोई सहायता नहीं की। इसी पीड़ा में इनके माताजी – पिताजी का निधन हो गया। अब इनके गुजर-बसर का कोई सम्बल नहीं रहा। मजदूरी और सेवा – चाकरी करके जैसे-तैसे 10-12 वर्ष निकाले। पर अब समय निकालना बहुत कठिन हो गया। मुम्बई छोड़कर किसी आश्रय की खोज में निकल पड़े। भटकते-भटकते करीब 8-10 माह पहले उदयपुर पहुँचे। यहाँ एक दरगाह के बाहर विश्राम किया। दयालु तीर्थयात्री जो कुछ भी थोड़ा बहुत दे देते, वही खा-पीकर दिन निकालने लगे। पर स्वास्थ्य दिन-दिन कमजोर होता गया। भोजन और विश्राम की किसी निश्चित आश्वस्ति के अभाव में दु:खों की वैसे भी कोई कमी नहीं थी।

इसी अवधि में 'तारा संस्थान' के 'आनन्द वृद्धाश्रम' के बारे में समाचार पत्र में समाचार प्रकाशित हुआ। किसी भद्र महिला ने यह जानकारी इन्हें दी और इन्हें लेकर 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आई। श्री प्रदीप जी को यहाँ आश्रय दिया गया है। यहाँ की सुविधाएँ, व्यवस्थाएँ और देखभाल से श्री प्रदीप जी सन्तुष्ट है। किसी निराश्रय बुजुर्ग के लिए भोजन – आवास – आश्रय की सुविधा का क्या अर्थ होता है, यह आप श्री प्रदीप जी से मिलकर सहज ही जान सकेंगे।

श्री प्रदीप जी जैसे आश्रय रहित व्यक्ति समाज में प्राय: हर कहीं दिखाई दे जाते हैं। कोई निर्धनता के कारण दयनीय स्थिति में है, तो कोई सर्वथा निराश्रय, कोई देखभाल करने वाला स्वजन – परिजन नहीं। ऐसे भी अनेक मामले, जहाँ बहु-बेटों ने बुजुर्ग परिजनों को अपमानित तिरस्कृत करके घर से बाहर निकाल दर-दर भटकने को बेहाल छोड़ दिया। कोई इनकी सहायता करना भी चाहे तो संस्थागत व्यवस्थाओं की कमी। तारा संस्थान ने 'आनन्द वृद्धाश्रम' का शुभारंभ करके इसी कमी को पूरा करने का प्रयास किया है। 'आनन्द वृद्धाश्रम' एक ऐसा ही प्रयास है, जहाँ से आप अपनी करुणा भावना को कार्यरुप में परिणत करते हुए असहाय निर्धन बुजुर्ग बन्धुओं को भोजन-वस्त्र-आवास-चिकित्सा देखभाल की सुविधा उपलब्ध करवाने में आर्थिक योगदान कर सकते हैं। दानवीर दयालु भामाशाहों से समुचित सहयोग सम्बल की अपेक्षा है, जिससे मानवीय सेवा का यह अभिनव उपक्रम निर्बाध रूप से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। आप सभी सहभागिता के लिए सादर आमन्त्रित हैं।

प्रेरक प्रसंग - मरने नहीं दूंगा

बर्नार्ड शॉ को मोटर चलाने का बड़ा शौक था। एक बार मोटर चलाते समय उनके दिमाग में एक नये नाटक का प्लान आया। बगल में बैठे ड्राइवर को वे बड़े उत्साह से उसकी रूपरेखा समझाने लगे। अचानक ड्राइवर ने झपटकर उनके हाथ से स्टीरिंग थाम लिया।

''यह क्या बदतमीजी है?'' शॉ गरजे।
''क्षमा कीजिये, आपका यह नाटक अजर-अमर कृति होगा।
मैं आपको इसे पूरा किये बिना मरने नहीं दूंगा।''

वृद्धाश्रम आवासियों का श्रीनाथजी दर्शन

तारा संस्थान द्वारा 27 अप्रेल, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम के आवासियों के लिए तीर्थ स्थान नाथद्वारा की यात्रा आयोजित की गई। प्रात: 8.30 बजे सभी बुजुर्ग आवासी बन्धु विशेष वाहन से नाथद्वारा के लिए खाना हुए। इनकी सेवा-सहायता के लिए संस्थान ने 2 साधक भी साथ भेजे। सभी आवासियों को सुविधा पूर्वक प्रात: 10 बजे भगदान् श्रीनाथ जी के मन्दिर में पहुँचाया। सभी ने मन्दिर को पूरी तरह घूम-फिर कर देखा। दर्शन खुलने पर प्रात: 11.30 बजे 'राजभोग झांकी' के दर्शन किये। कई आवासियों के लिए भगवान् श्रीनाथजी के दर्शन का यह प्रथम अवसर था। आवासियों ने नाश्ता, भोजन, चाय आदि यथारुचि समय-समय पर मार्ग में रुक कर होटलों में किया और रमणीय प्राकृतिक स्थलों पर विश्राम किया। पूरा दिन तीर्थाटन भ्रमण करके शाम 6.30 बजे सभी आवासी प्रसन्न मन से पुन: 'आनन्द वृद्धाश्रम' में पहुँचे। बातचीत में सभी ने श्रीनाथ जी के दर्शन और पूरे दिन भ्रमण कार्य को बहुत ही मधुर और स्मरणीय अनुभव बताया। 'तारा संस्थान' का यह संकल्प है कि 'आनन्द वृद्धाश्रम' के बुजुर्ग बन्धुओं को सुख-सुविधा और आराम पहुँचाने के लिए सभी शक्य प्रयास किये जाएँ ताकि उन्हें पारिवारिक वातारण का अहसास हो सके।

सेवा प्रकल्प - गौरी योजना

विधवा महिलाओं को प्रतिमाह नकद सहायता

भारतीय परिवारों में महिलाओं की स्थिति शोचनीय ही कही जा सकती है। शिक्षित और प्रबुद्ध परिवारों को कुछ सीमा तक अपवाद माना जा सकता है। सम्पन्न वर्ग की तो पूरी दुनिया ही अलग है। यहाँ सन्दर्भ निर्धन अशिक्षित या ग्रामीण अंचलों में निवास करने वाली उन अधिसंख्य महिलाओं का है जो आर्थिक, सामाजिक रूप से पिछड़ी हुई हैं। परिवारों में उनकी सत्ता बराबरी की नहीं है। वे एक तरह से परिवार के मुखिया पुरुष या पति पर ही पूरी तरह आश्रित और निर्भर हैं। आर्थिक दृष्टि से तो वे पूरी तरह परावलम्बी ही है। ऐसे में यदि किसी महिला के पति का असमय निधन हो जाए, घर में वृद्ध सास-ससुर और छोटे-छोटे बच्चों के भरण पोषण की जिम्मेदारी उस पर आ पड़े और आय का कोई निश्चित स्त्रोत नहीं हो, तो उस विधवा महिला की त्रासदी का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। उसके कष्टों से भरे उसके जीवन को जानकर आपका मन द्रवित हो जायेगा।

'तारा संस्थान' को ऐसी ही कुछ अभावग्रस्त महिलाओं की जानकारी मिली, तो उन्हें थोड़ा सा मानवीय सम्बल मिल सके - इस भावना से उन विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रु. नकद सहायता राशि प्रदान करने हेतु 'गौरी योजना' प्रारंभ की गई। इन असहाय विधवा महिलाओं के बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाते खुलवा कर प्रतिमाह 1000 रु. नकद राशि इनके खातों में सीधे जमा करवाई जा रही है, ताकि इन्हें कुछ सम्बल तो मिल सके। इनमें से कुछ महिलाओं का परिचय इस प्रकार है -

श्रीमती सीमा जोशी, आयु - 42 वर्ष
पता - 431/3, जागृति विहार, थाना मेडिकल कॉलेज,
मेरठ - 250004 (उत्तर प्रदेश)

श्रीमती सीमा जोशी के पति रिक्शा चलाकर अपने परिवार का गुजर बसर करते थे। परिवार की स्थिति गरीबी के कारण कष्ट में थी। उन्हें क्षय रोग हो गया। आर्थिक विपन्नता के कारण इलाज नहीं करवा सके, परिणामतः क्षय रोग के कारण उनका निधन हो गया। सीमा के जीवन में दुःखों की बाढ़ सी आ गई। रहने को अपना आवास भी नहीं। किसी दयालु सज्जन ने इन्हें किसी तरह आवास योग्य निःशुल्क स्थान उपलब्ध करवाया है। एक बेटा है, पर वह भी बेरोजगार है। कभी-कभार मिलने वाली छोटी-मोटी मजदूरी करता है, पर - इससे माँ-बेटे का गुजारा ठीक तरह नहीं हो पाता। ऐसे कष्ट में जीवन यापन कर रही सीमा को 'तारा संस्थान' की जानकारी मिली, और अपने हालात बताये। 'तारा संस्थान' ने इनका चयन 'गौरी योजना' के अन्तर्गत किया, और इन्हें 1000 रु. नकद सहायता राशि प्रतिमाह भेजना प्रारंभ किया। आज के इस महंगाई के समय में यह राशि यद्यापि अत्यल्प है, तथापि श्रीमती सीमा को एक निश्चि सहायता की आश्वस्ति तो हो ही गई है। उन्हें अपनी पीड़ाओं को कम करने में कुछ मदद तो हुई ही है। एक तिनके का ही सही, कुछ सहारा तो है।

श्रीमती गोदावरी कुमावत, आयु – 38 वर्ष
पता – खेरादीवाड़ा चौक, रंगीला भेरू जी के पीछे, उदयपुर (राज.)

श्रीमती गोदावरी का विवाह हुआ, पर दाम्पत्य सुख अधिक समय तक स्थायी नहीं रह सका। कोशिश करने पर भी पति की अनुकूलता नहीं मिल पाई। परिणामत: तलाक हो गया। अब गोदावरी 3 बच्चों के साथ परित्यक्ता का जीवन जी रही है। कोई आश्रय देने वाला नहीं। अपने पीहर में माता-पिता के साथ रह रही है। पर, बच्चों के साथ माता-पिता के पास रहना उसे हर समय आत्म-ग्लानि का बोध करवा रहा है। नौकरी करने योग्य शिक्षित भी नहीं। बच्चों के भरण-पोषण और पढ़ाई – लिखाई की चिन्ता ने उसके आत्म-विश्वास को झकझोर दिया है। 'तारा संस्थान' को जब गोदावरी की परेशानियों की जानकारी मिली, तो उसे 'गौरी योजना' के अन्तर्गत सहायता देना प्रारंभ किया। अब उसे प्रतिमाह 1000 रु. मिलते रहने की आश्वस्ति हो गई है। इस सहायता राशि से गोदावरी में उत्साह का संचार हुआ है, और निराशाभाव में कमी आई है। उसे विश्वास हो गया है कि 'तारा' द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही इस सहायता राशि से उसे अपने बच्चों की परवरिश में मदद मिलेगी।

श्रीमती कुमारी बाई राठौड़, आयु – 34 वर्ष
पता – राधाकृष्ण मन्दिर के पास, मु. गोपी महका, पो. खरसिया (छत्तीसगढ़)

पति के निधन के बाद से ही कुमारी बाई के जीवन पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है। उस पर अपनी वृद्धा सास और 2 छोटे बच्चों की जिम्मेदारी है। घर में आय का कोई स्त्रोत नहीं। सास वृद्धावस्था के कारण चल-फिर नहीं सकती, और छोटे-छोटे बच्चों को अकेला छोड़कर कहीं मजदूरी के लिए भी नहीं जा सकती। बस, आस पड़ौस के परिवारों में घरेलू साफ-सफाई का काम करके जो कुछ भी पारिश्रमिक मिलता है, उसी में पूरा परिवार चलाती है। हालात यहाँ तक विकट हैं, कि अधिकतर भूखे पेट ही रहना विवशता हो गई है। किसी सहृदय पुरुष ने 'तारा संस्थान' को कुमारी बाई की दयनीय – दशा की जानकारी दी। 'तारा' ने इनका विवरण प्राप्त किया और इन्हें 'गौरी योजना' में सहायता के लिए सम्मिलित किया। अब कुमारी बाई प्रतिमाह 1000 रु. सहायता राशि प्राप्त कर रही है, और इनकी परेशानियाँ कुछ कम हुई हैं।

वर्तमान में 'तारा संस्थान' द्वारा 'गौरी योजना' के अन्तर्गत 125 असहाय विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रु. की दर से नकद सहायता राशि पहुँचाई जा रही है। कई विधवा महिलाएँ सहायता के लिए प्रतीक्षा सूची बद्ध हैं। जैसे – जैसे दानदाता दान-सहयोग हेतु आगे आएँगे, प्रतीक्षारत विधवा महिलाओं को सहायता पहुँचाना प्रारम्भ किया जा सकेगा। हमारी भावना है कि कम से कम 250 महिलाओं तक यह सहायता वर्ष 2012 में पहुँचाना प्रारंभ हो जाय। अत: करुणील दानी महानुभायों से हमारा अनुरोध है कि वे कृपया यथा सामर्थ्य, यथा संकल्प इन असहाय विधवा महिलाओं के जीवन में आशा की किरण संचारित करते हुए 'तारा संस्थान' को दान सहयोग प्रेषित करें।

गौरी योजना दान-सहयोग राशि, प्रति महिला प्रति माह – 1000 रु.
3000 रु. (3 माह), 6000 रु. (6 माह), 12000 रु. (एक वर्ष)

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह मार्च – मई, 2012 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण – पंजीकरण व जाँच दृश्य

उदयपुर शिविर

दिनांक : 03 मार्च, 2012 (शनिवार) स्थान : तारा संस्थान, 236, सेक्टर – 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. – 88, ऑपरेशन के लिए चयनित – 09
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

बाठेडा खुर्द शिविर

दिनांक : 04 मार्च, 2012 (रविवार)
स्थान : राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाठेडा खुर्द, भीण्डर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती कुशल पाण्ड्या, लन्दन (यू.के.), कुल ओ.पी.डी. – 133, ऑपरेशन के लिए चयनित – 19
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

चणबोरा शिविर

दिनांक : 18 मार्च, 2012 (रविवार) स्थान : राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चणबोरा, काया, उदयपुर (राज0)
सौजन्यकर्त्ता : श्री रसिकलाल तन्ना एवम् श्रीमती पुष्पाबेन तन्ना (यू.के.), सहयोगकर्त्ता : भारत वेल्फेयर ट्रस्ट, (यू.के.)
कुल ओ.पी.डी. – 106, ऑपरेशन के लिए चयनित – 13
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

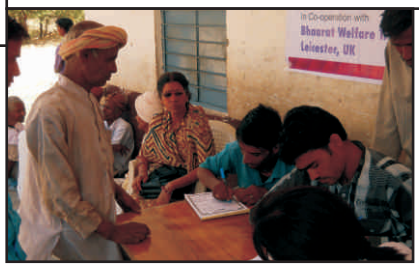

उथरदा शिविर

दिनांक : 20 मार्च, 2012 (मंगलवार) स्थान : उच्च स्वास्थ्य केन्द्र, उथरदा, सलुम्बर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती रामरखी देवी पत्नी श्री राजमल जी दलाल, जैसलमेर
कुल ओ.पी.डी. – 82, ऑपरेशन के लिए चयनित – 18
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

भीण्डर शिविर

दिनांक : 25 मार्च, 2012 (रविवार)
स्थान : श्री गुलाब सिंह शक्तावत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रताप धर्मशाला, भीण्डर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री युधिष्ठिर भान जी साध (फरुखाबाद वाले), कुल ओ.पी.डी. – 243,
ऑपरेशन के लिए चयनित – 40, ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

मदार शिविर

दिनांक : 02 अप्रैल, 2012 (सोमवार) स्थान : ग्राम पंचायत भवन, मदार, बड़गाँव, गिर्वा, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री चुन्नाराम जी चौधरी (बैंगलोर वाले)
कुल ओ.पी.डी. – 107, ऑपरेशन के लिए चयनित – 16
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

खरसाण शिविर

दिनांक : 04 अप्रैल, 2012 (बुधवार)
स्थान : हनुमान जी मन्दिर प्रांगण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय के पास, खरसाण, भीण्डर, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री बलवान सिंह जी धुनैला (गुड़गाँव), कुल ओ.पी.डी. – 105
ऑपरेशन के लिए चयनित – 08, ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

बिच्छी वाड़ा शिविर

दिनांक : 08 अप्रैल, 2012 (रविवार) स्थान : सामुदायिक भवन, बिच्छीवाड़ा, झाड़ोल, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : प्रेम शक्ति गंगाराम वीजन चेरीटेबल ट्रस्ट, मुम्बई
कुल ओ.पी.डी. – 187, ऑपरेशन के लिए चयनित – 17
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

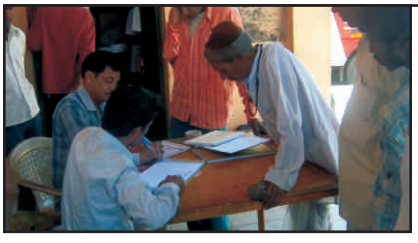

रूण्डेड़ा शिविर

दिनांक : 15 अप्रैल, 2012 (रविवार)
स्थान : राजीकय प्राथमिक विद्यालय, रूण्डेड़ा, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री नामीकरण जी सितलानी (मुम्बई), कुल ओ.पी.डी. – 149, ऑपरेशन के लिए चयनित – 17
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

श्रीगंगानगर शिविर

दिनांक : 15 अप्रैल, 2012 (रविवार) स्थान : भारती चेरिटेबल ट्रस्ट, नाथावली, श्री गंगानगर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : मै. मनोज कुमार, पंकज कुमार प्रतिष्ठान, श्री गंगानगर
कुल ओ.पी.डी. – 65, ऑपरेशन के लिए चयनित – 6
ऑपरेशन स्थल – वधवा आई हॉस्पीटल, श्री गंगानगर (राज.)

सिंहाड़ शिविर

दिनांक : 22 अप्रैल, 2012 (रविवार)
स्थान : राजीकय प्राथमिक विद्यालय, सिंहाड़, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : नानेश सेवा संस्थान, उदयपुर, कुल ओ.पी.डी. – 90, ऑपरेशन के लिए चयनित – 13
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

तवरा शिविर

दिनांक : 22 अप्रैल, 2012 (रविवार) स्थान : सामुदायिक भवन, तवरा (लाडनूँ), नागौर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री किशन लाल जी स्वामी पुत्र श्री प्रहलाद जी स्वामी (बैंगलुरु निवास)
कुल ओ.पी.डी. – 130, ऑपरेशन के लिए चयनित – 28
ऑपरेशन स्थल – बिन्दल नेत्रालय, सीकर (राज.)

ईसवाल शिविर

दिनांक : 02 मई, 2012 (बुधवार), स्थान : ग्राम पंचायत भवन, ईसवाल, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : याशिका इन्टरप्राइजेज (श्रीमान् देवेन्द्र जी त्यागी), नोएडा (यू.पी.)
कुल ओ.पी.डी. – 129, ऑपरेशन के लिए चयनित – 13
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

मंगलवाड़ शिविर

दिनांक : 06 मई, 2012 (रविवार)
स्थान : राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मंगलवाड़ चौराहा, डुंगला, चित्तौड़गढ़ (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : स्व. श्री राम जीवन गुमानी राम शर्मा निवासी सुरत (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. – 94, ऑपरेशन के लिए चयनित – 6, ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

वल्लभनगर शिविर

दिनांक : 13 मई, 2012 (रविवार), स्थान : भोजनशाला जैन समाज, वल्लभनगर, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. हरिकृष्ण डायाभाई स्वामी जनरल चेरिटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. – 104, ऑपरेशन के लिए चयनित – 14
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

गुडेल शिविर

दिनांक : 20 मई, 2012 (रविवार), स्थान : राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गुडेल, सलुम्बर, उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. हरिकृष्ण डायाभाई स्वामी जनरल चेरिटेबल ट्रस्ट, अहमदाबाद (गुजरात)
कुल ओ.पी.डी. – 141, ऑपरेशन के लिए चयनित – 22
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

हिसार शिविर

दिनांक : 20 मई, 2012 (रविवार), स्थान : गोयल धर्मशाला, गाँव – बालसमंद, जिला – हिसार (हरियाणा)
सौजन्यकर्त्ता : श्री जगदीश जी लौरा, निवास बालसमंद, हिसार (हरियाणा)
कुल ओ.पी.डी. – 300, ऑपरेशन के लिए चयनित – 40
ऑपरेशन स्थल – कावत्रा आई हॉस्पीटल, हिसार (हरियाणा)

चावण्ड शिविर

दिनांक : 22 मई, 2012 (मंगलवार), स्थान : राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चावण्ड, सराड़ा, जिला – उदयपुर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : माताजी स्व. श्रीमती सुभी बाई, पिताजी स्व. श्री हरदासमल जी अंबरतानी, यवतमाल (महाराष्ट्र)
कुल ओ.पी.डी. – 223, ऑपरेशन के लिए चयनित – 18, चश्मे – 50
ऑपरेशन स्थल – तारा नेत्रालय, उदयपुर

आजीवन सदस्य बनने हेतु आमन्त्रण

कृपया 11000 रु. दान-सहयोग प्रेषित करके 'तारा संस्थान' के आजीवन सदस्य बनें। यह राशि संचित निधि में संरक्षित रहेगी और इस पर अर्जित ब्याज से प्रतिवर्ष आपके नाम से एक निर्धन बन्धु का मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाया जायेगा।

मोतियाबिन्द चिकित्सा (शिविर)

नि:शुल्क मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन

'तारा नेत्रालय, उदयपुर' में आने वाले रोगियों की नि:शुल्क जाँच के पश्चात् मोतियाबिन्द ऑपरेशन भी नि:शुल्क किये जाते हैं। प्रत्येक रोगी और उसके एक परिजन के लिए भोजन - आवास व्यवस्था भी नि:शुल्क है।

दान-सहयोग सौजन्य राशि, प्रति ऑपरेशन - 3,000 रु.

नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

दानदाता द्वारा प्रायोजित स्थान पर शिविर आयोजन, शिविर के लिए प्रचार-प्रसार कार्य, शिविर में उपस्थित रोगियों के नि:शुल्क नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन, शिविर में रोगियों को मध्याह्न भोजन। दान-दाता के नाम का शिविर विवरण सहित 'तारांशु' में उल्लेख, विवरण, फोटो दानदाता को प्रेषित किये जाएँगे।

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 1,00,000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चश्मा जाँच, चश्मा वितरण, दवाइयाँ आदि हेतु

शिविर सहायता -सामग्री सौजन्य राशि प्रति शिविर - 21,000 रु.

आजीवन संरक्षक - सौजन्य - 21000 रु. (संचित निधि में) आजीवन सदस्य - सौजन्य - 11000 रु. (संचित निधि में) (संचित निधि पर प्राप्त ब्याज से मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जाएँगे।)

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**

अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097

मै. मनोज कुमार, पंकज कुमार के सौजन्य से शिविर आयोजन

मै. मनोज कुमार, पंकज कुमार प्रतिष्ठान, श्री गंगानगर के श्रीमती सुलोचना देवी धर्मपत्नी स्व. श्री प्रेम कुमार जी गुप्ता एवं श्री मनोज कुमार जी गुप्ता के सौजन्य तथा श्री रमेश खदरिया, श्री प्रेम प्रकाश गर्ग के सहयोग से 'तारा संस्थान' ने भारती चेरिटेबल ट्रस्ट, नाथावाली, श्री गंगानगर में 15 अप्रैल, 2012 को नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 106 नेत्र रोगी अपनी आँखों की जाँच के लिए उपस्थित हुए 65 मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। चयनित रोगियों का वधवा आई हॉस्पीटल, श्री गंगानगर में डॉ. ओ. पी. वधवा ने मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया। नेत्र रोगियों के ऑपरेशन तारा संस्थान द्वारा नि:शुल्क करवाए जाते हैं। नि:शुल्क सुविधाओं में भोजन, दवाइयाँ, चश्मे, परिवहन आदि भी सम्मिलित है। संस्थान के साधक श्री रामेश्वर लाल जाट, श्री राजेन्द्र गर्ग, श्री सुरेन्द्र देवड़ा व श्री प्रेमदास वैष्णव ने शिविर प्रचार कार्य व शिविर आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

बेंगलुरु के स्वामी परिवार के सौजन्य से मोतियाबिन्द ऑपरेशन

बेंगलुरु निवासी श्री किशन लाल जी स्वामी पुत्र श्री प्रहलाद जी स्वामी के सौजन्य तथा श्री हनुमान राय जी पुत्र श्री भँवर लाल जी ढिढरिया के सहयोग से 'तारा संस्थान' उदयपुर द्वारा दिनांक 22 अप्रैल, 2012 को तवरा (लाडनूँ) स्थित सामुदायिक भवन में मोतियाबिन्द रोगियों की जाँच के लिए शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 130 नेत्र रोगियों की जाँच की गई एवम् 28 रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। चयनित रोगियों के डॉ. नरेन्द्र चौहान द्वारा बिन्दल नेत्रालय, सीकर में नि:शुल्क ऑपरेशन करवाए गये। तारा संस्थान द्वारा आयोजित शिविरों में मोतियाबिन्द जाँच, दवाइयाँ ऑपरेशन, चश्मे, भोजन, परिवहन सहित सभी सुविधाएँ सर्वथा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाती हैं। इस अवसर पर श्री प्रहलाद जी स्वामी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविर की शोभा बढ़ाई। शिविर का संचलान संस्थान के साधक श्री भंवरलाल देवन्दा, श्री राजेन्द्र गर्ग व श्री शंकर लाल चौबीसा ने किया।

समय का महत्त्व

समय अमूल्य है। समय को देखने के लिए केलेन्डर (पंचाग), समय सूचक यंत्र (घड़ी) का उपयोग करते हैं। समय का महत्त्व निम्न पंक्रियों का अवलोकनीय है :-

1. जिन्दगी में एक वर्ष का क्या महत्त्व है यह इसी वर्ष फैल हुए विद्यार्थी से पूछिये।
2. एक माह का महत्त्व जानना हैं, तो उस माँ से मिलिए, जिसने ' आठ मासिया ' बच्चे को जन्म दिया।
3. सप्ताह का महत्त्व जानना है तो किसी साप्ताहिक - पत्र के सम्पादक से मिलिए।
4. एक दिन का महत्त्व वही दहाड़ी मजदूर ही बता सकता है, जिसे आज मजदूरी नहीं मिली।
5. एक घण्टे का महत्त्व जानना है, तो ' सिकन्दर महान् ' से पूछिए जिसने आधा राज्य देकर एक घण्टे मौत को टालने का आग्रह किया था।
6. एक मिनिट का महत्त्व उस भागयशाली से पूछिए जो ' वल्ड ट्रेड सेण्टर ' की इमारत गिरने से एक मिनिट पहले ही बाहर आकर सुरक्षित निकला है। अब बचा क्या ? एक सैकिण्ड, तो।
7. एक सैकिण्ड का महत्त्व उस धावक से पूछिए जो इसी एक सैकिण्ड की वजह से स्वर्ण-पदक पाते पाते ' रजत-पदक ' पर रह गया।

प्रस्तुति - बुलाकीदास पुरोहित बीकानेर

सेवा प्रकल्पों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से तारा संस्थान ने केन्द्र एवम् सम्पर्क कार्यालय स्थापित किये हैं। सेवा - प्रकल्प और दान-सहयोग सम्बन्धी जानकारी के लिए आप अपने निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित सम्पर्क कार्यालय या केन्द्र से सम्पर्क कर सकते हैं।

'तारा' केन्द्र प्रभारी

श्रीमान् एस.एन. शर्मा
मुम्बई (महा.)
मो. : 9869686830

श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा
बांसवाड़ा (राज.)
मो. : 9414101236

श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया
हैदराबाद (आ.प्र.)
मो. : 9849019051

प्रभा जी झंवर
अमरावती
मो. : 9823066500

श्रीमान् पवन सुरेका जी
मधुबनी (बिहार)
मो. : 9430085130

श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना
भोपाल (म.प्र.)
मो. : 9617952303

श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता
फरीदाबाद (हरियाणा)
मो. : 9873722657

श्रीमान् अनिरुद्ध जी धुपकर
उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9993071937

श्रीमान् सुरेश जी चौधरी
श्यामगढ़ (म.प्र.)
मो. : 9926506323

श्री कुलभूषण पाराशर
बर्मिंघम (इंग्लैण्ड)
फोन (0044) 121 5320846,
मो. (0044) 7815430077

श्रीमान् एस.एन. अग्रवाल सा.
कोलकाता
मो. : 9339101002

श्रीमान् सेठ मल मोदी सा.
दुमका (झारखण्ड)
मो. : 9308582741

श्रीमान् करण गुप्ता जी
जयपुर (राज.)
मो. : 9784597115

श्रीमान् अनिल विश्वनाथ गोडबोले
उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9424506021

'तारा' सम्पर्क कार्यालय

मुम्बई आश्रम
महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा इम्पलोइज को. हा. सोसायटी
पार्क व्यु बिल्डींग, बी-26 IInd फ्लोर,
कुलुपवाड़ी, बोरीवली (ईस्ट) मुम्बई
श्री बंशीलाल
मो. 09699257035, 07666680094

गुड़गाँव आश्रम
बी-30, ओल्ड डी.एल.एफ कॉलोनी,
सेक्टर - 14, गुड़गाँव (हरियाणा)
श्री कमलेश जोशी
मो. 08285240611

दिल्ली आश्रम
आर.जेड., 26-डी, 2 फ्लोर, प्रेम नगर,
उत्तम नगर पश्चिम, दिल्ली - 59
श्री अमित शर्मा, मो. 09999071302
श्री संजय चौबीसा, मो. 09602506303

सूरत आश्रम
295, चन्द्रलोक सोसायटी,
पर्वत गाँव, सूरत (गुज.)
श्री प्रकाश आचार्य,
मो. 09829906319,
09672511115

Brief summary of Cataract Detection - Selection Camps organized till February 29, 2012

CAMP SITE	DATE	O.P.D.	CATARACT OPR.
Jhadol (Raj.)	27 February, 2011	138	22
Chawand (Raj.)	10 April, 2011	150	32
Sonipat (HR)	17 April, 2011	263	22
Bhilwara (Raj.)	22 April, 2011	48	12
Sikar (Raj.)	29 May, 2011	148	38
Nindad (Raj.)	08 June, 2011	150	19
Ajmer (Raj.)	19 June, 2011	46	8
Sirsa (HR)	03 July, 2011	150	21
Dhunaila (HR)	10 July, 2011	139	13
Gogunda (Raj.)	07 August, 2011	110	14
Kota (Raj.)	04 September, 2011	155	32
Fatehabad (HR)	04 September, 2011	482	132
Mangalwad (Raj.)	18 September, 2011	59	12
Mathania (Raj.)	25 September, 2011	107	12
Kaladera (Raj.)	08 October, 2011	127	09
Mandava (Raj.)	16 October, 2011	140	25
Bulandshahar (UP)	04 November, 2011	331	74
Karnal (HR)	13 November, 2011	518	230
Vidisha (MP)	18 November, 2011	275	45
Mertacity (Raj.)	20 November, 2011	151	20
Kathar (Raj.)	20 November, 2011	128	22
Dharta (Raj.)	20 November, 2011	123	22
Nasik (MH)	21 November, 2011	275	50
Ravaliya Khurd (Raj.)	27 November, 2011	115	15
Fatehabad (HR)	04 December, 2011	280	151
Kathar (Raj.)	09 December, 2011	130	18
Chakkarpura (HR)	19 December, 2011	195	09
Ranoli (Sikar)	25 December, 2011	115	24
Jagat (Raj.)	15 January, 2012	70	14
Ren Mertacity (Raj.)	16 January, 2012	264	32
Lakkarwas (Raj.)	22 January, 2012	125	18
Hita (Raj.)	02 February, 2012	111	15
Shishvi (Raj.)	04 February, 2012	96	08
Mori (Raj.)	12 February, 2012	93	15
Bhutala (Raj.)	15 February, 2012	124	20

CAMP SITE	DATE	O.P.D.	CATARACT OPR.
Jhadol (Raj.)	19 February, 2012	137	04
Fatehpur Shekhawati (Raj.)	19 February, 2012	350	100
Nagaur (Raj.)	21 February, 2012	201	45
Udaipur (Raj.)	21 February, 2012	114	13
Navaniya (Raj.)	26 February, 2012	111	09
Baroda (Guj.)	26 February, 2012	162	07
Balicha (Raj.)	29 February, 2012	117	15

CAMP SPONSORED BY U.K. BASED DONORS

With the courtesy and co-operation of our associates in U.K., the Bharat Welfare Trust, Shri Rasik Lal Tanna of U.K. sponsored two Cataract detection camps at Tara Sansthan, Udaipur and at village Kaya (Udaipur) on March 18, 2012. Similarly Smt. Kushal Pandya of London (U.K.) sponsored a Camp at village Batheda Khurd (Udaipur) on March 4, 2012. In the three camps held as above a total of 279 patients suffering from various kinds of eye-ailments were examined and 37 were selected for operations of Cataract in eyes. The selected patients were operated for Cataract at Tara Sansthan's Eye Hospital – Tara Netralaya, Udaipur. The patients were provided after operation care and they have reported satisfactory improvement in their vision.

OUR HEARTFELT CONDOLENCE

Shri Balawant Singh Ji Ahuja

We deeply mourn the sad demine of Shri Balawant Singh Ji Ahuja (Delhi) who expired on March 26, 2012 at the aged of 82 years. Shri Ahuja was actively associated with humanitarian service activities and was a source of support and inspiration to Tara Sansthan. He was associated with Narayan Sewa Sansthan (Trust) Udaipur for the last 8-10 years. He was a senior advocate at Supreme Court of India. He leaves behind wife Smt. Preeti Ahuja and two sons – Shri Rajeev Ratnakur Bank Head and Shri Raman, who works in Switzerland. Tara Sansthan Family pray for the peace of the departed soul and offers heartfelt Condolences to the bereaved Ahuja Family.

ENROLL AS LIFE MEMBER

You are requested to become Life Member of Tara Sansthan by remitting a donation amount of Rs. 11,000/-. This amount will be retained as Corpus fund and interest earned on this amount will be utilized in facilitating Cataract operation of one poor person every year in your name.

Cataract Treatment (Camps)

Free Cataract Detection And Operation

'Tara Netralaya' Udaipur offers free facilities of catract detection and operation. Every patient alongwith one attending companion are provided food and shelter also fee of cost.

Donation - Cooperation Amount - Per operation - Rs. 3000

Camps for Eye-examination Cataract Detection and selection for operation

Camps are organised at a place desired by the sponsoring Donor. Field publicity campaign for the camp. Eye- examination of all patients present in the camp, diagnosis of cataract and selection for cataract operation. Lunch to all patients in camp. Display of banners with donor's name, photographs of camp actiities to be published in 'Taranshu' and to be sent to the Donor.

Organization of Cataract detection, selection for operation Camp with 21 operations - Cooperation Amount, per camp (Within Rajasthan) Rs. 71000

Organization of Cataract detection, selection for operation Camp with 21 operations - Cooperation Amount, per camp (Outside Rajasthan) - Rs. 1,00,000

Cooperation for camp items - Spectacles, Tests, Medicines etc.

Camp Items Cooperation Amount - Per camp - Rs. 21000

Life Patron - Cooperation Amount - Rs. 21,000 (In Corpus Fund)
Life Member - Cooperation Amount - Rs. 11,000 (In Corpus Fund)
(Interest earned on Corpus Fund will be utilized on Cataract operations)

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

REQUEST

Kindly remit your donation in Cash or by Cheque / Draft drawn in favor of "TARA SANSTHAN" payable at Udaipur OR Deposit direct in "TARA SANSTHAN's"

ICICI Bank A/c No. 004501021965 — **IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750 — **IFS Code : sbin0011406**
HDFC A/c No. 12731450000426 — **IFS Code : hdfc0001273**
Axis Bank A/c No. 912010025408491 — **IFS Code : utib0000097**

and send the pay-in-slip with your address to the following address to expedite donation receipt

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. B.L. & Mrs. Urmi Ji Kheda
Janakpuri, Delhi

Mr. Madan Lal & Mrs. Bhagwati Sharma
Jaipur

Mr. Om Narayan & Mrs. Darshana Seni
Faridabad

Mr. Bheem Sen & Mrs. Salochana Mittal
Delhi

Mr. Rajesh & Mrs. Sunita Goyal
Ambala City

Mrs. Lajwati Ji Chug
Hissar

Mr. Jeevan & Mrs. Aasha
Chandigarh

Mr. Dalpat Singh & Mrs. Chandra Kanwar
Jodhpur

Mrs. Shakuntala Devi
Bangalore

Miss. Kirti Gupta
Bangalore

Mrs. Rekha Jain
Bangalore

Mr. Anil Kumar Agrawal
Gorakhpur

Mrs. Bhagwati Agrawal
Kharasia

Mrs. Dinesh Kumar
Gorakhpur

Mr. Amit Agrawal
Kanpur

Mr. Idhmal
Bangalore

Mr. Janak Raj Monga
Firojpur

Mr. Uday Pratap Singh
Noida

Mr. B.P. Gandhi
Bangalore

Mr. Gautam Chand Katariya
Bangalore

Mr. Apurv Man Singh
Bangalore

Mr. P.N. Agrawal
Agra

Mr. Bhanwar Lal Khivesara
Bangalore

Mrs. Savita Goswami Champa
Chattisgarh

Mr. Jagdish Prasad Mittal
Jaipur

Mrs. Premwati Agrawal
Agra

Mr. Ved Vatra Gupta
Jaipur

Mrs. Rajani Garg
Punjab

Mr. Krishna Gopal Garg
Faridkot, Punjab

Mr. Desh Bandhu,
Mumbai

Mrs. Kalawati Jhajjar

Mrs. Renu Chhabriya,
Khaar, Mumbai

Mr. Manak Chand Chhajed,
Jodhpur

Mrs. Shalini Agrawal
Agra

Mr. Devendra Nangada
Nind Narwana

Mrs. Kaushalya Devi Narnauy,
Mahendragarh

Mr. Shiv Ratan Lal & Mrs. Sarla Gupta

Mr. Ratan Kumar & Mrs. Kasturba Jain
Rohini, Delhi

Mr. Gheesu Lal & Mrs. Prabhawati Gaur
Ajmer

Mr. Sushil Kumar & Mrs. Ram Shakhi Gupta
Agra

Mr. Sanjeev & Mrs. Archana Bansal
Agra

Mr. B.L. & Mrs. Kailash Devi Agrawal
Guna

Mr. Gopyal & Mrs. Shashi Mehta
Agra

Mr. Shyam Sundar & Mrs. Shanti Sharma
Jaipur

Lt. Mr. Sukhdev Singh Bhalla
Delhi

Miss. Astha Yadav
Gurgaon

Mr. Harsh Yadav
Gurgaon

Mr. Sunil Kumar Agrawal

Mr. Ganesh Ram Chaudhary
Kharsiya

Mr. Bhagwan Das Mittal
Bhathinda

Mrs. Kusum Mittal
Jaipur

Mrs. Pushpa Mittal
Bhathinda

Mr. Prem Bhai
Mumbai

Lt. Mr. Balwant Singh Ahuja
Delhi

Mr. Kailash C. Agrawal
Kota

Mr. Madan Lal Saini
Jind

Mr. Rajkumar Jay Sawal
Chhattisgarh

Mr. Vijay Kumar Bhatiya
Karnal

Mrs. Dhanesh Kumari Mahendirg
Bikaner

Mr. Arjun Prasad
Patna

Mrs. & Mr. Arjun Prasad
Patna

Mr. Kanji Bhai Badarpura
Palanpur

Mrs. Kamla Devi Lakhotiya
Kishangarh

Mr. Kamal Kishor Arora
Agra

Mr. Rajendra Kumar Patel
Gujarat

Mrs. Yashveer Goyal
Chandigarh

Mr. Avadhy Bihari Goyal
Agra

Lt. Mr. Dharm Pal Gupta
Karnal

Mr. Nand Kishor Agrawal
Savli

Mr. Manoj Agrawal
Agra

Mrs. Kamlesh Kumari
Jind

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

ICICI Bank A/c No. 004501021965 SBI A/c No. 31840870750 HDFC A/c No. 12731450000426 Axis Bank A/c No. 912010025408491

GIFT OF VISION

They, too, have regained Eye-sight with the help of 'Tara'

(Patients - after free cataract operation)

Mr. Deva Ji
Bhinder, Udaipur (Raj.)

Mrs. Jannat Bai
Bhinder, Udaipur (Raj.)

Mr. Hira Ji
Kharsan, Udaipur (Raj.)

Mrs. Nandu Bai
Kharsan, Udaipur (Raj.)

Mrs. Rahisa
Fatehpur, Sikar (Raj.)

Mr. Madanlal
Fatepur, Sikar (Raj.)

Mrs. Santara Devi
Tavara, Nagaur (Raj.)

Mrs. Mohan Lal
Tavara, Nagaur (Raj.)

Mrs. Dhapu Devi
Sinhad, Udaipur (Raj.)

Mrs. Kamla Bai
Sinhad, Udaipur (Raj.)

Mrs. Jarina
Fatehpur, Sikar (Raj.)

Mrs. Jadheera
Fatehpur, Sikar (Raj.)

Mrs. Guru Devi
Fatehabad (HR)

Mrs. Shanti Bai
Fatehabad (HR)

Mr. Chandagi Ram
Karnal (HR)

Mrs. Gudi
Karnal (HR)

तारांशु मासिक, अप्रेल - मई, 2012
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री विजय अरोड़ा द्वारा न्यूट्रेक ऑफसेट मुद्रणालय, 13, न्यट्रेक नगर, सेक्टर - 3, हिरण मगरी, उदयपुर में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

नेत्र चिकित्सा सेवा | **तृप्ति योजना सेवा** | **गौरी योजना सेवा**

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

निराश्रय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री

निराश्रय विधवाओं को नकद सहायता राशि

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प आपसे प्रार्थित, अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु. 03 ऑपरेशन - 9000 रु. 06 ऑपरेशन - 18000 रु. 09 ऑपरेशन - 27000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.
मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 माह - 1500 रु. 03 माह - 4500 रु. 06 माह - 9000 रु. 01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 माह - 1000 रु. 03 माह - 3000 रु. 06 माह - 6000 रु. 01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 माह - 5000 रु. 03 माह - 15000 रु. 06 माह - 30000 रु. 01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आपके दान - सहयोग से लाभान्वित रोगियों के फोटो, नाम, पता आदि का विवरण आपको प्रेषित किया जायेगा।

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 80G (50%) व 35AC (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन

कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा**
अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097

कृपया 'तारा' के सेवा प्रकल्पों का 'पारस' चैनल पर प्रसारण देखें - अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org